ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:28.03.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-03-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	29/03/2024	30/03/2024	31/03/2024	01/04/2024	02/04/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	3.0	5.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	35.0	35.0	34.0	33.0	33.0
न्यूनतम तापमान(से.)	17.0	17.0	16.0	18.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	75	85	85	75	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%)	35	45	45	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	2	2	2	1
पवन दिशा (डिग्री)	320	140	140	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	6	8	0	0

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (21 से 27 मार्च) के दौरान कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.0 से 31.5oC और 11.5 से 13.5oC के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 78-90% और 37-54% के बीच रही। हवा दक्षिण-पूर्व, पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम से 1.2-7.9 किमी प्रति घंटे की गति से चली। पिछले सप्ताह कुछ दिन बादल छाए रहने के साथ मौसम साफ रहा।आगामी सप्ताह में क्रमशः 33.0-35.0oC और 16.0-18.0oC के बीच अधिकतम-न्यूनतम तापमान के साथ 3-5 मिमी की बहुत हल्की वर्षा होने की आशंका है। दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा से 1-2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। 29 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर और 30 मार्च को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है जबकि 01 अप्रैल को शुष्क मौसम रहने की संभावना है। 29 मार्च को अलग-अलग स्थानों पर बिजली/ओलावृष्टि और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ आंधी आने के संबंध में पीली चेतावनी की उम्मीद है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में एक नियमित अपडेट “मेघदूत ऐप” पर उपलब्ध है और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए “दामिनी ऐप” भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र) और ऐप सेंटर (iOS यूज़र) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली से पता चलता है कि 22-28 मार्च तक अनुमानित प्रवृत्ति में भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति देखी जाएगी। फसल के महत्वपूर्ण चरणों में आवश्यकतानुसार उचित सिंचाई उपाय और रासायनिक अनुप्रयोग प्रदान किया जाना चाहिए। फूल आने के समय बगीचों की जुताई नहीं करनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फूल आने के समय कीटनाशकों के प्रयोग से बचना चाहिए क्योंकि इससे परागणकों को नुकसान होगा।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी द्वारा बहुत हल्की बारिश के साथ-साथ तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ तूफान की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए खेती की गतिविधियों को तदनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना/मसूर/ फील्ड पी	परिपक्वता फली बनना	फली छेदक एक प्रमुख कीट है जिसे इंडोक्साकार्ब, इमामेक्टिन बेंजोएट और क्लोरेंट्रानिलिप्रोल जैसे विभिन्न रासायनिक अनुप्रयोगों का उपयोग करके नियंत्रित किया जा सकता है। परिपक्व फलियों की कटाई कर उन्हें अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए। पूर्वानुमान के अनुसार कटाई और रासायनिक अनुप्रयोग निर्धारित किया जाना चाहिए।
उड़द/ मूँग	बुआई	बुआई अनुशंसित एवं उपचारित बीज किस्मों से करनी चाहिए। इन्हें वसंतकालीन गन्ने के साथ सहफसली भी किया जा सकता है। पूर्वानुमान के अनुसार बुआई का कार्यक्रम निर्धारित किया जाना चाहिए।
राइ	परिपक्वता	परिपक्व फलियों की कटाई करनी चाहिए और गहाई से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लेना चाहिए। सूखी और घिसी हुई फलियों को पूर्वानुमान अनुसार अच्छी तरह भंडारित करें।
गेहू	अनाज भरना	सिंचाई करनी चाहिए। उपज हानि से बचने के लिए खरपतवारों विशेषकर गुल्ली-डंडा और जंगली ओट को नष्ट कर देना चाहिए। पीले और भूरे रतुआ की उपस्थिति को नियंत्रित किया जाना चाहिए और महू के हमले को अनुशंसित कीटनाशक से नियंत्रित किया जाना चाहिए । पूर्वानुमान के अनुसार रासायनिक अनुप्रयोग और अन्य कृषि गतिविधियाँ निर्धारित की जानी चाहिए।
गन्ना	वानस्पतिक	वसंत ऋतु में बोए गए गन्ने में आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। शरद ऋतु में बोए गए गन्ने तथा पेड़ी गन्ने की नई फसल में सिंचाई के बाद यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग करनी चाहिए। सभी किसान कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें।
चारा फसल (बरसीम)	वानस्पतिक	काटने के बाद सिंचाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
चारा मक्का	वानस्पतिक	फसल की सिंचाई करनी चाहिए तथा 3-4 दिन बाद यूरिया की टॉपड्रेसिंग करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
फ्रेंच बीन	पौध/पुष्प	आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए।
तारो	बुआई	मैदानी क्षेत्रों में अगेती किस्मों की बुआई की जा सकती है। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में बुआई में देरी हो सकती है।
मूली/गाजर	बुआई	यूरोपीय किस्मों की बुआई की जा सकती है। पूर्वानुमानित परिस्थितियों में बुआई में देरी हो सकती है।

बैंगन	वानस्पतिक	पहले से लगाई गई फसल में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई एवं सिंचाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय/ भैंस	गर्भ से हुए पशुओं में प्रसव ज्वर की रोकथाम के लिए 50-60 ग्राम खनिज मिश्रण देना चाहिए। उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिदिन यह मिश्रण खिलाया जाना चाहिए क्योंकि इस दौरान उनमें बाँझपन और जॉन्स रोग (पैराट्यूबरकुलोसिस) रोग होने का खतरा होता है। वयस्क पशुओं में खुरपका एवं मुँहपका नमक बीमारी का टीकाकरण करवाने से 15 दिन पूर्व कृमिनाशक दवाई का इस्तेमाल अवश्य करें।